

BHDLA 137

हिंदी भाषा : संप्रेषण कौशल

औपचारिक पत्र को परिभाषित करते हुए, औपचारिक पत्र का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए।

औपचारिक पत्र की परिभाषा:

औपचारिक पत्र (Formal Letter) : वह पत्र होते हैं, जिन्हें व्यावसायिक, सरकारी, संस्थागत या अन्य किसी औपचारिक उद्देश्य के लिए लिखा जाता है। इन पत्रों में संवाद का उद्देश्य न केवल सूचना देना होता है, बल्कि वे निश्चित रूप से सम्मान, अनुशासन, और शिष्टता का पालन करते हैं। औपचारिक पत्रों का प्रयोग कामकाजी जीवन, सरकारी संस्थाओं, कार्यालयों, स्कूलों, कॉलेजों, कंपनियों, और अन्य संस्थानों में किया जाता है।

इन पत्रों में एक निश्चित ढांचा और भाषा होती है, जो औपचारिक और बिनम्र होती है। इन पत्रों में आप किसी समस्या का समाधान, किसी सुविधा की मांग, सूचना देने, प्रतिक्रिया प्राप्त करने, या किसी अन्य औपचारिक उद्देश्य के लिए पत्र लिख सकते हैं।

औपचारिक पत्र की संरचना:

1. पत्र लिखने की तारीख
2. प्राप्तकर्ता का नाम और पता
3. विषय (Subject)
4. संबोधन (Salutation)
5. मुख्य संदेश (Body)
6. समाप्ति (Closing)
7. हस्ताक्षर और नाम

औपचारिक पत्र का उदाहरण (नई कारण के साथ):

से:

शिवानी शर्मा
12, गुलमोहर एन्क्लेव,
कोलकाता – 700029
तारीख: 7 जनवरी 2025

को:

प्राचार्य,
सिटी गर्ल्स स्कूल,
सैक्टर-9,
कोलकाता – 700015

विषय: विद्यालय में छुट्टी के लिए आवेदन।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं, शिवानी शर्मा, कक्षा 12 की छात्रा, विद्यालय में दिनांक 10 जनवरी 2025 से 12 जनवरी 2025 तक व्यक्तिगत कारणों से छुट्टी लेना चाहती हूँ। मुझे 11 जनवरी को मेरी बहन की शादी में शामिल होना है, और परिवार के अन्य आयोजनों में भाग लेने के लिए मुझे छुट्टी की आवश्यकता है।

कृपया मुझे तीन दिन की छुट्टी प्रदान करने की कृपा करें। मैं अपना पाठ्यक्रम समय पर पूरा कर लूंगी और अनुपस्थित रहने की स्थिति में सभी जरूरी कार्यों को पूरा करने की कोशिश करूंगी।

आपसे निवेदन है कि मेरी स्थिति को ध्यान में रखते हुए छुट्टी स्वीकृत करें।

धन्यवाद।

आपकी विश्वासी,
शिवानी शर्मा
कक्षा 12,
सिटी गर्ल्स स्कूल

नोट:

- **संबोधन** में हमेशा एक आदर्श और सम्मानजनक शब्द का उपयोग करें, जैसे "महोदय", "महाशय", "प्रिय महोदय" आदि।
- **मुख्य संदेश** में आप जो कहना चाहते हैं, उसे संक्षिप्त, स्पष्ट और सटीक रूप में व्यक्त करें।
- **समाप्ति** में "धन्यवाद", "आपका विश्वासी" आदि जैसे शिष्ट शब्दों का प्रयोग करें।
- पत्र में **हस्ताक्षर** और नाम हमेशा अंत में होना चाहिए।

6. वैयक्तिक लेखन की भाषा को उदाहरण सहित लिखिए।

वैयक्तिक लेखन की भाषा : वैयक्तिक लेखन वह लेखन है जो लेखक के व्यक्तिगत विचारों, भावनाओं, अनुभवों और दृष्टिकोणों को व्यक्त करता है। यह आमतौर पर निजी या अनौपचारिक होता है, और इसमें लेखक का आत्म-संप्रेषण मुख्य रूप से होता है। वैयक्तिक लेखन में भाषा आमतौर पर सरल, स्वाभाविक और संवेदनशील होती है। इसमें औपचारिकता का अभाव होता है और लेखक अपनी व्यक्तिगत स्थिति, विचार, और भावनाओं को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करता है।

वैयक्तिक लेखन की प्रमुख विशेषताएँ:

1. **स्वाभाविकता और सरलता:** यह लेखन स्वाभाविक और सरल होता है, जिससे लेखक की आंतरिक भावनाओं और विचारों को स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है।
2. **संवेदनशीलता:** लेखक अपनी भावनाओं और अनुभवों को बिना किसी हिचकिचाहट के व्यक्त करता है।
3. **अनौपचारिक भाषा:** इसमें अक्सर अनौपचारिक और व्यक्तिगत भाषा का प्रयोग होता है।
4. **संवेदनात्मक जुड़ाव:** इसमें लेखक पाठक से व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ने की कोशिश करता है।

उदाहरण :

आत्मकथा की भाषा : स्वयं लिखी अपनी जीवनी आत्मकथा कहलाती है। इसमें लेखक अपने अतीत को पुनर्सृजित करता है। यह साहित्य की एक सरस और संस्मरणात्मक विधा है। आत्मकथा में लेखक के जीवन का श्रृंखलाबद्ध विवरण होता है जिसमें वह अपने विशाल जीवन-सामग्री में से कुछ महत्वपूर्ण बातों को लेकर उनको व्यवस्थित ढंग से सामने रखता है इसलिए आत्मकथा की भाषा विवरणात्मक होती है। यहाँ आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की आत्मकथा से कुछ अंश प्रस्तुत किए जा रहे हैं :

मैं एक ऐसे देहाती का एकमात्र आत्मज हूँ जिसका मासिक वेतन सिर्फ दस रुपया था। अपने गाँव के देहाती मदरसे में थोड़ी-सी उर्दू और घर पर थोड़ी-सी संस्कृत पढ़कर तेरह वर्ष की उम्र में मैं 36 मील दूर रायबरेली के जिला-स्कूल में अंग्रेज़ी पढ़ने गया। आटा-दाल घर से पीठ पर लादकर ले जाता था। दो आना महीना फीस देता था। दाल ही में आटा के पेड़े या टिकिया पकाकर पेट-पूजा करता था। रोटी बनाना तब मुझे आता ही नहीं था। एक वर्ष किसी तरह वहाँ काटा। फिर पुरवा, फतेहपुर और उन्नाव के स्कूलों में चार वर्ष काटे। कौटुंबिक दुरवस्था के कारण मैं उससे आगे न बढ़ सका। मेरी स्कूली शिक्षा भी वहीं समाप्त हो गई।

आत्मकथा वैयक्तिक जीवन पर आधारित होती है। इसमें वह अपने जीवन और परिवेश के अनेक मार्मिक क्षणों और अनुभवों को अभिव्यक्त करता है:

आत्मकथा में अतीत और वर्तमान का गहरा संबंध होता है। आत्मकथा लेखक के लिए अपने चरित्र का उद्घाटन और विश्लेषण करना बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। इसमें भाषा जहाँ एक ओर वर्णनात्मक होती है तो दूसरी ओर उसका स्वरूप विश्लेषण प्रधान होता है

संस्मरण की भाषा : संस्मरण में जीवन के किसी महत्वपूर्ण भाग या घटना का संदर्भ होता है। इसके संबंध में कहा जाता है कि जिस प्रकार जीवनी कोई दूसरा आदमी लिखता है, आत्मकथा स्वयं लिखी जाती है वैसे संस्मरण कोई भी लिख सकता है बशर्ते उसके जीवन में कोई ऐसा क्षण घटित हुआ हो जिसका साहित्यिक-सामाजिक संदर्भ में कोई मूल्य हो अथवा जिसमें कोई दृष्टि छिपी हो। यहाँ रामनारायण उपाध्याय द्वारा लिखित 'चतुर्मुखी प्रतिभा के धनी माखनलाल चतुर्वेदी' शीर्षक संस्मरण का उल्लेख किया जा रहा है :

वे 'दादा' जैसे पारिवारिक नाम से समूचे हिन्दी जगत में परिचित रहे। उनका यह नाम महज एक संबोधन नहीं वरन् इसमें उनका संपूर्ण व्यक्तित्व समाया है। वे हिंदी के कवि, कहानीकार, निबंधकार और पत्रकार रहे, लेकिन इन सबसे पूर्व वे एक सहृदय मनुष्य थे। उनका घर सदा और सब समय के लिए खुला रहता।

यहाँ लेखक ने माखनलाल चतुर्वेदी के सहृदय व्यक्तित्व का बहुत सरल भाषा में वर्णन किया है। इस संस्मरण में चतुर्वेदी जी के सहज स्वभाव को रेखांकित करने का प्रयास किया गया है।

जनसंचार माध्यमों के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

जनसंचार माध्यम (Mass Communication Media) वे माध्यम हैं जिनके द्वारा समाज में बड़ी संख्या में लोगों तक सूचना, समाचार, विचार, मनोरंजन, और शिक्षा पहुँचाई जाती है। यह विभिन्न रूपों में होते हैं और प्रत्येक का अपना विशेष उद्देश्य और प्रभाव होता है। जनसंचार माध्यमों के प्रमुख स्वरूप निम्नलिखित हैं:

1. मुद्रित माध्यम (Print Media)

मुद्रित माध्यम में समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, किताबें, पोस्टर, ब्रोशर, विज्ञापन, आदि आते हैं। यह जनसंचार का सबसे पारंपरिक रूप है, जिसमें सूचना को छापने या मुद्रित करने के बाद लोगों तक पहुँचाया जाता है। मुद्रित माध्यम में प्रमुख उदाहरण हैं:

- **समाचार पत्र (Newspapers):** दैनिक, साप्ताहिक, और मासिक समाचार पत्रों के द्वारा समाचार, विचार, और जानकारी प्रकाशित की जाती है।
- **पत्रिकाएँ (Magazines):** विभिन्न विषयों पर आधारित मासिक या साप्ताहिक पत्रिकाएँ, जैसे कि साहित्यिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, और मनोरंजन से संबंधित पत्रिकाएँ।
- **ब्रोशर और पोस्टर:** प्रचार या सूचना देने के लिए छोटे-छोटे मुद्रित सामग्री का उपयोग।

2. दृश्य श्रव्य माध्यम (Audio-Visual Media)

दृश्य श्रव्य माध्यम में दृश्य (Video) और श्रव्य (Audio) दोनों तत्वों का समावेश होता है। इसमें टेलीविजन, फिल्म, और रेडियो प्रमुख हैं। यह जनता तक सूचना पहुँचाने का प्रभावी तरीका है क्योंकि इसमें दृश्य और श्रव्य दोनों का सम्मिलन होता है।

- **टेलीविजन (Television):** यह दृश्य-श्रव्य माध्यम है जिसमें समाचार, धारावाहिक, फिल्में, खेल, विज्ञापन, और अन्य प्रकार की जानकारी दी जाती है।
- **रेडियो (Radio):** यह एक श्रव्य माध्यम है, जिसमें केवल आवाज के माध्यम से सूचना और मनोरंजन प्रदान किया जाता है। इसे हर स्थान पर आसानी से सुना जा सकता है।
- **फिल्में (Films):** फिल्मों के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर विचार प्रस्तुत किए जाते हैं। फिल्मों का प्रभाव व्यापक और गहरा होता है।
- **वीडियो (Videos):** वीडियो सामग्री इंटरनेट, सोशल मीडिया, और अन्य डिजिटल प्लेटफार्मों के द्वारा फैलाई जाती है।

3. ऑनलाइन माध्यम (Digital Media/Online Media)

इंटरनेट और सोशल मीडिया ने जनसंचार के स्वरूप को पूरी तरह से बदल दिया है। आजकल अधिकांश सूचना, समाचार, और मनोरंजन इंटरनेट पर उपलब्ध होते हैं। इसमें प्रमुख उदाहरण हैं:

- **सोशल मीडिया (Social Media):** फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, और टिक-टॉक जैसे प्लेटफार्मों के द्वारा लोग अपनी राय व्यक्त करते हैं, समाचार साझा करते हैं, और सोशल इंटरएक्शन करते हैं।
- **ब्लॉग्स और वेबसाइट्स (Blogs and Websites):** वेब पेजों और ब्लॉग्स के माध्यम से लोग अपनी राय, जानकारी, और विचार साझा करते हैं।
- **पॉडकास्ट (Podcast):** ऑडियो सामग्री का एक रूप है जिसमें विभिन्न विषयों पर विचार, समाचार, या इंटरव्यू पेश किए जाते हैं।

4. आधिकारिक माध्यम (Official Media)

सरकारी या आधिकारिक संचार के उद्देश्य से इस्तेमाल किए जाने वाले माध्यम को आधिकारिक माध्यम कहा जाता है। इसमें सरकारी घोषणाएँ, प्रेस विज्ञप्तियाँ, और सरकारी टीवी चैनल (जैसे Doordarshan) शामिल होते हैं। ये माध्यम सरकार की नीतियों, योजनाओं और घोषणाओं को जनता तक पहुँचाने के लिए कार्य करते हैं।

5. विज्ञापन माध्यम (Advertising Media)

विज्ञापन के माध्यम से उत्पादों, सेवाओं, या विचारों का प्रचार किया जाता है। विज्ञापन माध्यम में विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल किया जाता है, जैसे:

- टीवी और रेडियो विज्ञापन
- प्रिंट विज्ञापन (समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में)
- आउटडोर विज्ञापन (हॉर्डिंग्स, बैनर, बिलबोर्ड्स)
- इंटरनेट विज्ञापन (सर्च इंजन, सोशल मीडिया, ईमेल आदि)

6. संचार माध्यम के नवाचार (Innovations in Communication Media)

तकनीकी विकास के कारण जनसंचार के माध्यम में निरंतर बदलाव आ रहा है। उदाहरण के रूप में:

- **ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म (जैसे Netflix, Amazon Prime):** फिल्मों, टीवी शो, और अन्य डिजिटल सामग्री को इंटरनेट के जरिए देखा जा सकता है।
- **वेबिनार और ऑनलाइन मीटिंग्स:** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और वेबिनार के जरिए लोगों से संवाद और विचार-विमर्श किया जाता है।